तुम्हारे लिए नई किताब / चंद्रप्रकाश

रोमांचक बाल-उपन्यास

पंजाबी भाषा में लिखे और पुरस्कृत 'पताल दे गिठमुठिए' उपन्यास का हिंदी अनुवाद 'पाताल के बौने' हाल में छपकर आया है। इसकी कहानी 'रसूलपुर' गांव से शुरू होती है। जहां पानी की कमी है और गांव वाले पानी की कमी दूर करने के लिए कुआं खोदते हैं। बच्चों के लिए भी यह काम कौतूहल जगाने वाला है। तभी गांव का एक आदमी गांव वालों को जमीन के नीचे रहने वाले बौनों को देखे जाने का एक मनगढ़ंत किस्सा सुनाता है। इसे सुनकर गांव का एक बच्चा निक्कू एक शाम उस नए बनते कुएं में लगी हुई सीढ़ी से बौनों को देखने नीचे उतर जाता है। तभी अचानक उसकी भेंट सचमुच एक छोटे से जीव से हो जाती है। अब निक्कू हैरान भी है और भौंचक भी कि वह अब क्या करे? लेकिन वह हिम्मत से उस नए जीव के साथ आगे बढ़ता जाता है। जमीन के नीचे एक अलग दुनिया दिखती है। अब निक्कू वहां किन मुसीबतों में पड़ता है? और उनसे फिर कैसे किसी जांबाज की तरह बच निकलता है? यह पूरी कहानी तुम इस बौनों के रोमांचकारी दुनिया में ले जाने वाली किताब में पढ़ सकते हो। *

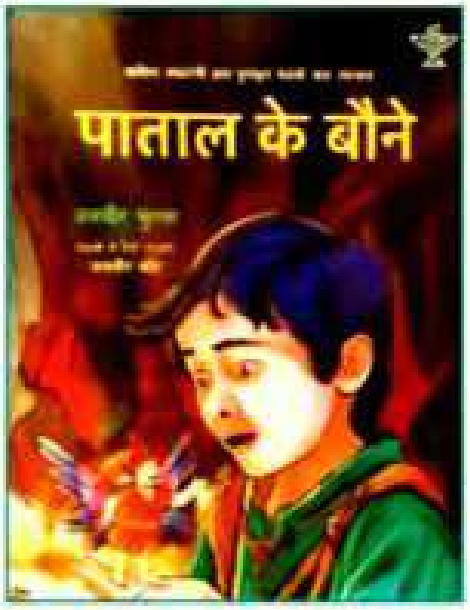

किताब : पाताल के बौने (पंजाबी बाल-उपन्यास), **लेखक :** जसबीर भुल्लर, **अनुवाद :** जसबीर कौर, **मूल्य :** 150 रुपए, **प्रकाशक :** साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली